



एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 04, अंक: 05 (सितंबर-अक्टूबर, 2024)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एन.: 2582-9882

गुलदाउदी की उन्नत खेती

(*सुनील कुमार सोलंकी)

पुष्प विज्ञान एवं भूनिर्माण विभाग, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़, राजस्थान, भारत

*संवादी लेखक का ईमेल पता: sunilsolankijat@gmail.com

गुलदाउदी (Chrysanthemum) एक लोकप्रिय कटे फूल है, जिसे विभिन्न अवसरों पर सजावट और पुष्प तंतदहमउमदजे के लिए उपयोग किया जाता है। इसकी सुंदरता और विभिन्न रंगों के कारण यह विश्वभर में पसंद किया जाता है। भारत में, विशेषकर गर्मी और ठंड के मौसम में इसकी खेती की जाती है।

जलवायु और मिट्टी की विशेषताएँ

गुलदाउदी की खेती के लिए हल्की ठंडी से गर्म जलवायु सबसे उपयुक्त होती है। इसका विकास 15 से 25 डिग्री सेल्सियस के तापमान में बेहतर होता है। अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी, जैसे बलुई और उपजाऊ मिट्टी, सर्वोत्तम होती है। मिट्टी का pH 6-0 से 6-8 के बीच होना चाहिए।

बीज और पौधों का चयन

गुलदाउदी की खेती के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीजों या पौधों का चयन करें। स्वस्थ और रोग-मुक्त पौधों का उपयोग करें। पौधों को रोपने से पहले 24 घंटे के लिए पानी में भिगोना फायदेमंद होता है।

रोपण तकनीक

गुलदाउदी का रोपण आमतौर पर मानसून के बाद या सर्दियों की शुरुआत में किया जाता है। पौधों को 20-25 सेंटीमीटर की गहराई पर और 30-40 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपित करें। यह सुनिश्चित करें कि पौधों के बीच की दूरी पर्याप्त हो, ताकि उन्हें प्रकाश और हवा मिल सके।

सिंचाई

गुलदाउदी को नियमित और संतुलित सिंचाई की आवश्यकता होती है। गर्मियों में, मिट्टी के सूखने पर सिंचाई करें। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का उपयोग करना लाभकारी होता है, क्योंकि इससे पानी की बर्बादी कम होती है और पौधों को उचित नमी मिलती है।

निषेचन

गुलदाउदी की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने के लिए संतुलित उर्वरक का उपयोग करें। रोपण के समय नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटेश का सही अनुपात सुनिश्चित करें। फूल आने के समय पोटेश की मात्रा बढ़ाने से फूलों की गुणवत्ता में सुधार होता है।

खरपतवार और कीट प्रबंधन

खरपतवारों को नियमित रूप से हटाना आवश्यक है, ताकि पौधों को पोषक तत्व और पानी मिल सके। रोग और कीट प्रबंधन के लिए जैविक कीटनाशकों का उपयोग करें। पौधों की नियमित निगरानी करें और किसी भी समस्या का समय पर समाधान करें।

कटाई और विपणन

गुलदाउदी के फूलों को तब काटें जब वे पूरी तरह से खिल जाएं। कटाई सुबह के समय करें, क्योंकि इस समय फूलों में अधिक नमी होती है। कटे हुए फूलों को सही तरीके से पैक करें और बाजार में भेजें। विपणन के लिए स्थानीय बाजारों और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करें।

अनुसंधान और तकनीकी सहायता

किसानों को नवीनतम अनुसंधान और तकनीकों के बारे में जागरूक करना आवश्यक है। विभिन्न कृषि संस्थान और सरकार इस क्षेत्र में सहायता प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने से किसान अपनी तकनीकी ज्ञान को बढ़ा सकते हैं।